इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1987

14 मार्च, 2013 को उत्तर के लिए

भिलाई इस्पात संयंत्र की कार्यक्षमता

1987. डॉ. भूषण लाल जांगडे:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इस्पात नगरी भिलाई के इस्पात संयंत्र की कार्यक्षमता विगत दस वर्षों के अनुपात में क्या है;

(ख) क्या गत पांच वर्षों के दौरान भिलाई इस्पात संयंत्र में क्रमश: उत्पादन की कमी देखी जा रही है और इसके साथ ही मजदूरों एवं कर्मचारियों की संख्या घटती जा रही है तथा इस उदासीनता के क्या कारण हैं;

(ग) क्या संपूर्ण देश भिलाई इस्पात संयंत्र को गर्व के साथ देखता रहा है परन्तु वर्तमान में भिलाई इस्पात संयंत्र की वीरानता किसी से छिपी नहीं है तथा इसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या सरकार द्वारा उपरोक्त तथ्यों के अनुसार प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जा सकता है ?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)

(क): वर्ष 2012-13 के दौरान भिलाई इस्पात संयंत्र में कच्चे इस्पात का उत्पादन 3.925 एमटी है जो विगत दस वर्षों के उत्पादन के अनुरूप है।

(ख) से (घ): जी, नहीं। भिलाई इस्पात संयंत्र में कच्चे इस्पात का उत्पादन संयंत्र की निर्धारित क्षमता से सदैव अधिक रहा है।

श्रम शक्ति का युक्ति-संगत और ईष्टम उपयोग करके प्रतिस्पर्धा क्षमता को बढ़ाने और उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने पर दिए जा रहे बल को देखते हुए बहुउद्देशीय दृष्टिकोण अपनाया गया है जिसमें अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग, आटोमेशन में वृद्धि प्रक्रिया सुधार, बहु कौशल और सर्वोत्तम परिपाटियों का उपयोग शामिल है ताकि कम श्रमशक्ति से अधिक उत्पादन लक्ष्य प्राप्त किए जा सकें। इसके अतिरिक्त वार्षिक मानव संसाधन योजना (एचआरपी) प्रणाली के जरिए संयंत्र-वार श्रम शक्ति आवश्यकता की योजना वार्षिक आधार पर बनाई जाती है। भिलाई इस्पात संयंत्र का कार्य-निष्पादन वर्ष-दर-वर्ष उच्च स्तर का रहा है तथा सर्वोत्तम एकीकृत इस्पात संयंत्र के लिए प्रधान मंत्री ट्रॉफी योजना के अंतर्गत इसे दसवीं बार सर्वोत्तम इस्पात संयंत्र आंका गया है और इस प्रकार इतनी बार यह ट्रॉफी पाने वाला यह देश का पहला इस्पात संयंत्र है।

****